A

(20823) Roll No. .....

B. A.-II Sem.

NEP-2002

U. G. Examination, June 2023

MAJOR COURSE (UNDER N.E.P.)

SANSKRIT

संस्कृत : गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग

[Paper Code : A020201T]

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

निर्देश : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्न हल कीजिए ।

खण्ड–अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है । अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है ।

3×5=15

1. किसी एक गद्य-साहित्यकार का संक्षिप्त परिचय दीजिए – बाणभट्ट **अथवा** पण्डिता क्षमाराव ।

2. 'शिवराजविजय' के अनुसार तत्कालीन भारतवर्ष की दुर्दशा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

(i) **'कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्' इस सूक्ति का वक्ता कौन है ?**

(ii) 'वासवदत्ता' किसकी रचना है ?

(iii) 'शुकनासोपदेश' किस ग्रन्थ का अंश है ?

(iv) 'शिवराजविजय' के नायक कौन हैं ?

(v) चन्द्रापीड के पिता का नाम लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए -

(i) डिजिटल लाइब्रेरी

(ii) ई-पाठशाला

(iii) शोधगंगा

(iv) स्वयं।

5. महामन्त्री शुकनास के द्वारा बताए गए विनाश के तीन प्रमुख कारण बताइए।

खण्ड-ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7½ अंकों का है। लघु उत्तर अपेक्षित है। $7½ \times 2 = 15$

6. निम्नलिखित में से किसी एक का सन्दर्भ-प्रसङ्ग सहित अनुवाद कीजिए -

(i) कदलीदलकुञ्जायितस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वतः परम-पवित्र-पानीयं परस्सहस्र-पुण्डरीक-पटल- परिलसितं पतत्तिकुलकूजित-पूजितं पयः पूरपूरितं सर आसीत्। दक्षिणतश्चैको निर्झर-झर्झर-ध्वनि-ध्वनित-दिगन्तरः फल-पटलाऽऽस्वाद-चपलित-चञ्चु-पतङ्ग-कुलाऽऽक्रमणाधिक-विनत-शाख-शाखि-समूह-व्याप्तः सुन्दरकन्दरः पर्वतखण्ड आसीत्।

अथवा

(ii) भगवन् ! बद्ध-सिद्धासनैर्निरुद्ध-निःश्वासै-निःश्वासैः प्रबोधित-कुण्डलिनीकै-र्विजित-दशेन्द्रियैरनाहत-नाद-तन्तुमवलम्ब्याऽऽज्ञाचक्रं संस्पृश्य, चन्द्रमण्डलं भित्त्वा, तेजःपुञ्जमविगणय्य, सहस्रकमलस्यान्तः प्रविश्य, परमात्मानं साक्षात्कृत्य, तत्रैव रममाणैर्मृत्युञ्जयैरानन्द-मात्रस्वरूपै-र्ध्यानावस्थितै-र्भवादृशै-र्न ज्ञायते कालवेगः।

7. निम्नलिखित में से किसी एक का सन्दर्भ-प्रसङ्ग सहित अनुवाद कीजिए -

(i) गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुष-शक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा । अविनयानामेकैकम्-अपि-एषा-मायतनम्, किमुत समवायः । शैवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालन-निर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धि । अनुज्झित-धवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः ।

अथवा

(ii) सरस्वतीपरिगृहीतमीर्ष्ययेव नालिङ्गति । जनं गुणवन्तमपवित्रमिव न स्पृशति । उदारसत्त्वम-मङ्गलमिव न बहुमन्यते । सुजनमनिमित्तमिव न पश्यति । अभिजातमहिमिव लङ्घयति । शूरं कण्टकमिव परिहरति । दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति' विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति । मनस्विनमुन्मत्ता-मिवोपहसति ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्दर्भ-प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिए -

(i) नाहं मूर्तिर्विक्रीणामि, किन्तु भिनद्मि ।

(ii) अहंकारदाहज्वरमूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजलक्ष्मी।

(iii) गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षममजलं स्नानम् ।

खण्ड-स

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न सं. 9 एवं 10 अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है। 15×3=45

9. संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

गौ हमारी माता है। यह हमें अपने अमृत समान दूध से पालती है। हमारी बुद्धि और बल को बढ़ाती है। गाएँ सफेद, भूरी तथा काली आदि अनेक वर्णों की होती हैं। इसकी आकृति सरल और मनोरम होती है। यह कृषिप्रधान भारत देश की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का आधार है। भारतीय प्राचीनकाल से ही गाय को माता के समान पूजते हैं। हमें भी गाय का पालन एवं रक्षण करना चाहिए।

10. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय देते हुए वैज्ञानिक भाषा संस्कृत की दृष्टि से उसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

अथवा

इण्टरनेट के प्रयोग एवं महत्त्व को बताते हुए संस्कृत-शिक्षण में उसकी भूमिका प्रतिपादित कीजिए।

11. संस्कृत गद्य साहित्य के क्रमिक विकास का वर्णन कीजिए।

अथवा

दण्डी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

12. ऐतिहासिक उपन्यास 'शिवराजविजय' की कथा को संक्षेप में लिखिए।

13. शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।